साइबर हैरेसमेंट के खिलाफ, व्हाट नॉउ ने शुरु की जागरूकता, हेल्पलाइन नंबर जारी

टेक्नोलॉजी ने लोगों के कनेक्ट होने के तरीके में किया बदलाव

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. राजस्थान में अपनी तरह की पहली इनीशिएटिव के तहत, साइबर हैरेसमेंट के खिलाफ बुलंद रहने वाली एक युवा आवाज- व्हाट नॉउ ने ऐलान किया कि उन्होंने 'महाराजाओं की धरती'- राजस्थान में, हर कीमती जिंदगी को साइबर बुलिंग के खतरे से बचाने और सुरक्षित रखने के लिए साइबर हैरेसमेंट, साइबर बुलिंग के खिलाफ एक राज्यव्यापी अभियान शुरू कर दिया है।

डिजिटल युग के आगे बढ़ने के साथ-साथ, टेक्नोलॉजी ने लोगों के कनेक्ट होने, संवाद करने और जानकारी शेयर करने के तरीके में आमूलचूल बदलाव कर दिया है। हालाँकि, इस तकनीकी धूमधड़ाके ने साइबर बुलिंग, साइबर क्राइम और साइबर हैरेसमेंट जैसी नई चुनौतियों के लिए भी दरवाजे खोल दिए हैं, जो भारत समेत पूरी दुनिया में गंभीर सामाजिक मुद्दे बनकर तेजी से उभर रही हैं। ये समस्याएँ भारत जैसे देश में खास तौर पर गंभीर हो जाती हैं, जहाँ इंटरनेट का उपयोग तो तेजी से बढ़ा है, लेकिन रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क और जागरूकता इन ऑनलाइन मुसीबतों के चलते पैदा होने वाले खतरों के मुकाबले पिछड़ी हुई है। यह ग्राउंडब्रेकिंग कैम्पेन, ऑनलाइन एब्यूज के लगातार फैलते जा रहे डर को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा, साथ ही अपने नए खुले हेल्पलाइन नंबर 9019115115 के जरिए, तत्काल और भरोसेमंद सहायता प्रदान करेगा।

साइबर-बुलिंग/ हैरेसमेंट की समस्याओं को हाईलाइट करते हुए, 'व्हाट नॉउ' की फाउंडर और फिलांथ्रोपिस्ट नीति गोयल ने कहा, 'हमारा मिशन है कि एक सुरक्षित और सहयोगी ऑनलाइन यूथ कम्युनिटी तैयार की जाए, जहाँ वे साइबर बुलिंग और साइबर हैरेसमेंट से डरे बिना आपस में बातचीत कर सके। इस मौके पर, व्हाट नॉउ के को-फाउंडर और एसू कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज (एयूसीएल) के फाउंडर अक्षत खेतान ने बताया, "चूंकि भारत डिजिटल रूप से ताकतवर सोसाइटी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसलिए साइबरबुलिंग, साइबर क्राइम और साइबर हैरेसमेंट से पैदा होने वाले रिस्क को हरगिज नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। व्हाट नॉउ के ब्रांड एंबेसडर ताहा शाह बादुशा ने कहा, 'साइबरबुलिंग और साइबर हैरेसमेंट से निपटने वाली व्हाट नॉउ को इस ग्राउंडब्रेकिंग इनीशिएटिव का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व है। कोई भी सुरक्षित ऑनलाइन कम्युनिटी, जागरूकता और सहयोग के बल पर ही शुरू होती है। मैं डिजिटल जगत में सम्मान और सहानुभूति को अलख जगाने के लिए यह संदेश फैलाने को समर्पित हूं।'